LIBRARY

SCHOOL OF PLANNING AND ARCHITECTURE, BHOPAL

S.No.-1 (JANUARY 2024)

दैनिक भास्कर (सिटी भास्कर) Page – 04 05/01/2024

पिछले 5 साल में भोपाल के लगभग सभी इंस्टीट्यूट की रैंकिंग साल-दर-साल घटी

85 रिसर्च, 19 नए कोर्सेज और 9 रिसर्च पेटेंट दिलाएंगे NIRF रैंकिंग में बेहतर पोजिशन

सिटी रिपोर्टर | नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में आना और अपनी पोजिशन को बरकरार रखना अपने आप में एक बड़ा अचीवमेंट है। शहर के इंजीनियरिंग कॉलेज हों, लॉ यूनिवर्सिटी हो या रिसर्च इंस्टीट्यूट आईसर, सभी साल दर साल अपनी रैंकिंग को बेहतर बनाने के प्रयासों में जुटे हैं। पिछली एनआईआरएफ-2023 में एम्स भोपाल पहली बार शामिल हुआ और मेडिकल कॉलेजों की कैटेगरी में 38 रैंक पर जगह बनाई। टॉप-100 रैंकिंग में अपनी जगह बनाने वाले शहर के इंस्टीट्यूट्स इस बार क्या-कुछ एफर्ट कर रहे हैं, जाना सिटी भास्कर ने।

पिछले साल लगाई थी मॉडल चित्र प्रदर्शनी

नए एकेडमिक ब्लॉक में बढ़ी प्रोडक्टिविटी

एसपीए भोपाल के असिस्टेंट रजिस्ट्रार मनीष वी जोकरकर ने बताया- इस बार नया फुली फर्निश्ड एकेडमिक ब्लॉक ऑपरेशनल हो गया है। ऐसे में स्टूडेंट्स की स्टूडियो एक्सरसाइज और एकेडमिक्स एक्टिविटीज में हम बेहतर हुए हैं। आउटरीच प्रोग्राम के जरिए हमने स्टूडेंट्स और स्कूली बच्चों में एसपीए के कोर्सेज और फेसेलिटीज को लेकर अवेयरनेस बढ़ाने का भी काम किया है। इसके साथ ही केरला इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल एडमिनिस्ट्रेशन और टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के साथ 2023 में एमओयू साइन किए गए। कोलेबोरेटिव रिसर्च को आगे बढ़ाने के लिए नेशनल इंटरनेशनल इंस्टीट्यूशंस से भी टाइअप किया गया है।

19 नए एकेडमिक कोर्सेज शुरू हुए, इनमें 9 सुपर स्पेशिएलिटी

एम्स भोपाल के डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह ने बताया- न्यू अपॉइंटमेंट से लेकर रिसर्च, पेटेंट, नए कोर्सेज से लेकर फैसेलिटीज को अपग्रेड करने जैसे कई काम इस बार किए गए हैं, जिनसे हमारी रैंकिंग में अपग्रेड दिखेगा। 52 नई फैकल्टीज का रिक्रूटमेंट हमने 2023 में किया, इसके साथ ही 19 नए एकेडमिक कोर्सेज को लेकर भी अप्रूवल हमें मिल गया है, जिसमें 9 सुपर स्पेशिएलिटी, 5 मास्टर्स और 5 पैरामेडिकल कोर्सेज शामिल हैं। रिसर्च के मामले में भी एम्स भोपाल के खाते में कई अचीवमेंट हैं। इस साल 6 कॉपी राइट और 8 पेटेंट ग्रांट हुए हैं। एम्स में इन समय 15 करोड़ के 144 एक्स्ट्राम्यूरल रिसर्च प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है। 2023 में 40 प्रोजेक्ट्स के लिए भी 6 करोड़ की ग्रांट दिया जाएगा।

मैनिट में 85 रिसर्च प्रोजेक्ट्स, अब एकेडमिक टाइअप्स पर फोकस

मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) में रैंकिंग इंचार्ज डॉ. अखिलेश खर्वे ने बताया- डायरेक्टर केके शुक्ला ने रैंकिंग अपग्रेड के लिए कई नए इनीशिएटिव लिए हैं। एकेडमिक्स, रिसर्च, आउटरीच प्रोग्राम के जरिए सोशल इमेज, इनोवेशन और प्लेसमेंट यह सभी सेक्टर हैं, जिन पर हमारा फोकस है। 85 रिसर्च प्रोजेक्ट्स हैं, जो इस समय मैनिट में चल रहे हैं, जिसका फायदा इस बार रैंकिंग को बेहतर करने में मिलेगा। इसके अलावा एकेडमिक टाइअप्स पर भी हमारा फोकस है, अभी हाल ही हमने आरजीपीवी के साथ एकेडमिक एक्सचेंज पर एमओयू साइन किया है। इनोवेशन को पढ़ाने के लिए अब हम रोल्टा इनक्यूबेशन के दरवाजे आउटसाइडर स्टूडेंट्स के लिए भी खोलने वाले हैं।

इंस्टीट्यूट्स की एनआईआरएफ रैंकिंग

साल	आईसर	मैनिट	IIFM	NLIU	एसपीए	एम्स
• 2019	37	62*	60	11	6	
• 2020	40	65	62	17	7	
• 2021	50	60	75	14	8	
• 2022	61	70	00	15	10	
• 2023	60	80	00	18	11	38